

आरती श्री शिवजी की:

जय शिव ओंकारा हर शिव ओंकारा,
ब्रह्मा विष्णु सदाशिव अर्द्धांगी धारा ॥ ॐ हर हर. ।

एकानन चतुरानन पंचानन राजे,
हंसासन गरुडासन वृषवाहन साजे ॥ ॐ हर हर. ॥

दो भुज चार चतुर्भुज दश भुज ते सोहे,
तीनों रूप निरखता त्रिभुवन जन मोहे ॥ ॐ हर हर. ॥

अक्षमाला बनमाला रूण्डमाला धारी,
त्रिपुरारि कंसारी करमाला धारी ॥ ॐ हर हर. ॥

श्वेताम्बर पीताम्बर बाघाम्बर अंगे,
सनकादिक ब्रह्मादिक भूतादिक संगे ॥ ॐ हर हर. ॥

कर मध्ये कमण्डलु चक्र त्रिशूल धर्ता,
जगकरता जगहरता जगपालन करता ॥ ॐ हर हर. ॥

ब्रह्मा विष्णु सदाशिव जानत अविवेका,
प्रणवाक्षर के मध्ये यह तीनों एका ॥ ॐ हर हर. ॥

त्रिगुण शिव की आरती जो कोई नर गावे,
कहत शिवानन्द स्वामी मनवांछित फल पावे ॥ ॐ हर हर. ॥

Aarti Shree Shiv Ji Ki:

Jai Shiv Omkara, Har Shiv Omkara,
Brahma, Vishnu, Sadashiva, Ardhangi Dhara ॥ Om Har Har ॥

Ekānan, Chaturānan, Panchānan, Rāje,
Hansāsan, Garuḍāsan, Vrishavāhan Sāje ॥ Om Har Har ॥

Do Bhuja Chaturbhujā, Dashabhujā Te Sohe,
Tīno Rūpa Nirakhatā, Tribhuvan Jan Mohe ॥ Om Har Har ॥

Akshamālā, Banamālā, Rūṇḍamālā Dhārī,
Tripurāri Kansāri Karamālā Dhārī ॥ Om Har Har ॥

Shvetāambar Pītāambar Bāghāambar Ange,
Sanakādik Brahmādik Bhūtādik Sange ॥ Om Har Har ॥

Kar Madhye Kamanḍalu Chakra Trishūla Dhartā,
Jagakartā Jagahartā Jagapālan Kartā ॥ Om Har Har ॥

Brahma, Vishnu, Sadashiva Jānat Avivekā,
Pranavākshara Ke Madhye Yah Tīno Ekā ॥ Om Har Har ॥

Trigun Shiv Ki Aarti Jo Koi Nar Gāve,
Kaht Shivānand Swāmī Manvānchhit Phal Pāve ॥ Om Har Har ॥